रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फलेरियो) : (क) वर्ष 1991–92 के दौरान भारत में उर्वरकों की वार्षिक औसत खपत 68.62 कि.ग्रा./प्रति हैक्टेयर थी । यह खपत एशियाई क्षेत्र में पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश और जापान जैसे देशों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है । कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में उर्वरकों की औसत खपत भारत की तुलना में कम है। तथापि, यू.के., जर्मनी और फ्रांस जैसे देशों में उर्वरकों की खपत भारत की तुलना में अपेक्षाकृत बहुत अधिक है।

(ख) वर्षा पोषित कृषि के अंतर्गत क्षेत्र के वृहद भाग (लगभग 67%) तथा फसलों की उन्नत किस्मों के सीमित विस्तार देश में अल्प उर्वरक खपत के दो प्रमुख कारण हैं।

(ग) और (घ) उर्वरक खपत की नियमित जांच पड़ताल की जाती है और कार्बनिक खादों तथा जैविक उर्वरकों के साथ-साथ रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाते हैं। इस समय भारत सरकार इन उर्वरकों के मूल्यों पर अनियंत्रण के प्रभाव को संतुलित करने तथा उर्वरकों के संतुलित प्रयोग को बढ़ाने के लिए नियंत्रणमुक्त उर्वरकों पर रियायत देने के लिए एक विशेष योजना का कार्यान्वयन कर रही है। अल्प खपत और वर्षा पोषित क्षेत्र में उर्वरक प्रयोग के विकास पर राष्ट्रीय परियोजना नामक एक दूसरी योजना के अंतर्गत छोटी बोरियों में उर्वरकों की आपूर्ति प्रदर्शनियों के आयोजन और कृषक प्रशिक्षण आयोजन के माध्यम से उर्वरक प्रयोग को बढ़ाया जा रहा है। उन्नत किस्मों के प्रयोग को भी बढ़ाया जा रहा है। अधिकाधिक कृषि उत्पादन के लिए उर्वरकों के अपेक्षाकृत अधिक प्रयोग तथा नमी के बेहतर संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए जल संभर के विकास के लिए भी एक योजना कार्यान्वित की जा रही है।

Expansion of Fertilizer Plants

1356. SHRI K. M. KHAN: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether expansion of some fertilizer plants has been undertaken in the country during 1991-92, 1992-93 and 1993-94;

(b) if so, the names of such plants State and Territory-wise, during each year and if not, the reasons therefor;

(c) whether Government have any programme for further expansion of these plants during 1994-95 and 1995-96;

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor;

(e) whether Government propose to set up more plants during Eighth Plan in States and Union Territories where requirement of fertilizers is very high; and

(f) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (d) No expansion of any existing fertilizer plant was completed during the last three years, although some new plants did go into production during this period. The major expansion/modernisation projects currently under implementation are as follows:

(i) The capacity of the Vijaipur (Distt. Guna, Madhya Pradesh) plant of National Fertilizers Limited is being doubled, to produce additional 7.26 lakh tonnes of urea per annum. The project is likely to be completed in October, 1996.

(ii) The capacity of the Aonla (Distt. Bareilly, Uttar Pradesh) of IFFCO is being doubled to produce additional 7.26 lakh tonnes of urea per annum. The project is likely to be completed in October, 1996.

(iii) Fertilizers And Chemicals Travancore Limited are implementing a project for setting up a 900 tonnes per day ammonia plant at Udyogmandal (Kerala), which is likely to be mechanically completed in September, 1996.

(iv) Madras Fertilizers Limited are implementing a project for modernisation/expansion of their plants at Manali (near Madras) which will increase the production capacity of urea from 885 tonnes to 1475 tonnes per day, besides energy saving. The completion schedule is 30 months from 1.1.1993.

(e) and (f) Two new gas-based ammonia-urea plants in the private sector, one each at Babrala (Uttar Pradesh) and Shahjahanpur (Uttar Pradesh) are currently under implementation. Both of these plants will together produce about 14.50 lakh tonnes of urea per annum. The Babrala project is expected to be completed in the third quarter of 1994-95, while that at Shahjahanpur is expected to be completed in the third quarter of 1995-96. Gas allocation has also been indicated for a medium sized ammonia-urea plant based on gas from Krishna-Godavari basin.

उर्वरकों की आवश्यकता

1357. **श्री जनार्दन यादव :** क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में किसानों को उर्वरक की कुल कितनी मात्रा की आवश्यकता है तथा उनको कितनी मात्रा में उर्वरक की पूर्ति की जा रही है ;

(ख) क्या यह सच है कि किसानों को उर्वरक पर दी जाने वाली राज-सहायता वापिस ले ली गई है; और

(ग) क्या किसानों के लाभ के लिए सरकार की उक्त राज-सहायता को पुन: प्रारम्भ करने की कोई योजना है, यदि हां, तो इसके कब से लागू होने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) 1994-95 के दौरान, 135.0 लाख टन उर्वरक पोषक की अनुमानित आवश्यकता है । इस आवश्यकता की पूर्ति मुख्यत: स्वदेशी उत्पादन से की जा रही है, जिसकी सम्पूर्ति आयातों से की जा रही है।

(ख) और (ग) इस समय केवल यूरिया जो सरल नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक है, मूल्य और संचलन नियंत्रणों के अन्तर्गत आता है । किसानों को बिक्री किए जाने वाले प्रति टन यूरिया पर सरकार लगभग 1700/-रुपए की राजसहायता वहन कर रही है । इसके अतिरिक्त, गत वर्ष के नमूने पर सिंगल सुपर फास्फेट सहित स्वदेशी डी.ए.पी. और कम्पलैक्स उर्वरकों पर तथा आयातित म्यूरिएट आफ पोटाश पर भी विशेष रियायतें उपलब्ध हैं

Revival Schemes for Calcutta-based Pharmaceuticals

1358. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that BIFR has published revival schemes for a number of pharmaceuticals situated in Calcutta; and

(b) if so, the details thereof and Government's attitude towards the schemes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Yes, Sir. The Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) has published draft schemes for revival of two sick Central Public Sector Enterprises in Pharmaceutical Industry that have their registered offices in Calcutta.